नई दिल्ली, 26 दिसंबर 2015 दैनिक जागरण | VII

'अपने हितों के लिए किसानों को होना होगा एकजुट'

पूसा में आयोजित कार्यक्रम में विचार रखते कृषि राज्यमंत्री डॉ संजीव बाल्यान। जागरण

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : वर्तमान समय में यदि वस्तु की कीमत में थोड़ी भी उछाल आती है तो बवाल मच जाता है। उपभोक्ता हितों को लेकर समाज के तमाम वर्ग एकजुट हो जाते हैं। उस समय कोई भी वर्ग किसानों के हितों की बात नहीं करता है। यदि किसान संगठित हो तो वे भी अपनी बात रख सकते हैं। सरकार किसान और उपभोक्ता दोनों के हितों के मध्य संतुलन स्थापित करने की कोशिश में जुटी है। ये बातें केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री डॉ संजीव बाल्यान ने पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान परिसर में जय किसान जय विज्ञान सप्ताह समारोह के उद्घाटन सत्र के दौरान कहीं। वे वैज्ञानिकों और किसानों को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. बाल्यान ने कहा कि भूमंडलीकरण के दौर में खुले बाजार का फायदा किसानी को नहीं हो रहा है। खुले बाजार में बिचौलियों की भरमार ने किसानों की हालत को सुधारने के बजाय और बदतर कर दिया है। मंडी में जिस वस्तु की कीमत दस रुपये होती है उसकी कीमत उपभोक्ता के हाथों पहुंचते-पहुंचते 40 रुपये तक पहुंच जाती है। इस 30 रुपये में किसानों की कहीं कोई

• भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान परिसर में जय किसान जय विज्ञान सप्ताह समारोह का उद्घाटन

हिस्सेदारी नहीं रहती है। यदि बिचौलिया नहीं रहे तो किसानों को उनके उत्पाद का एक लाभकारी मूल्य मिलेगा। नेशनल एग्रीकल्चरल मार्केट इस दिशा में किया गया पहला प्रयास है। यहां बिचौलियों की कोई जगह नहीं होगी। यदि यह बाजार सफल रहा तो अगले चरण में पशु उत्पादों जिसमें दूध, अंडा, मुर्गा जैसे उत्पादों के लिए राष्ट्रीय बाजार की स्थापना की जाएगी। कृषि राज्य मंत्री ने कहा कि देश के किसान को मार्केटिंग आती नहीं आती है। मार्केटिंग के इस युग में कई जगह दूध के मुकाबले पानी महंगी दरों पर बिक रहा है। उत्पाद को सीधे न बेचकर पहले उसमें मूल्य संवर्द्धन करें तब बेचें। कृषि वैज्ञानिकों को उन्होंने सलाह दी कि अपने समय का 20 फीसद हिस्सा गांव में जाकर व्यतीत करें। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

1039/1029

1. P.A. (Director)
2. P.A. (J.D. Res.)
3. P.A. (J.D. Ext.)
4. P.A. (J.D. Edn.)
5. I/C P.P.I.
6. I/C CATAT
7. I/C AKMU

26/12/15
News Paper Section